

सरकारी गजट, उत्तरांचल

उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की

खण्ड-7] रुड़की, शनिवार, दिनांक 28 अक्टूबर, 2006 ई0 (कार्तिक 06, 1928 शक सम्वत्)

सिख्या-43

विषय-सूची

प्रत्येक माग के पृष्ठ अलग-अलग दिये गए हैं, जिससे उनके अलग-अलग खण्ड बन सकें

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्दा
the state of the s		₹0
सम्पूर्ण गजट का मृत्य	-	3075
भाग 1—विद्यप्ति—अयकाश, नियुक्ति, स्थान–नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस		
भाग 1—क—नियम, कार्य-विधियां, आज्ञाएं, विज्ञिप्तायां इत्थादि जिनको उत्तरांचल के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के	423-433	1500
अध्यक्ष तथा राजस्य परिषद् नै जारी किया भाग 2—आज्ञाएं, विज्ञप्तियां, नियम और नियम विद्यान, जिनको केन्द्रीय	137	1500
सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विश्वपितयां, भारत सरकार के गजट और दूसरे		
सज्यों के गजटों के उद्धरण , भाग 3—स्थायत्त शासन विभाग का क्रोड़-पत्र, नगर प्रशासन, नोटीफाइड एरिया, टाउन एरिया एवं निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा	15,5%	975
पंचायतीराज आदि के निदेश जिन्हें विभिन्न आयुक्तों अथवा जिलाधिकारियों ने जारी किया		
माग् 4-निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तरांचल	-	975
मार्थ ५—एकाउन्टेन्ट जनरल, सत्तरांचल	_	975
भाग 8-बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किए गए या प्रस्तुत किए जाने से पहले प्रकाशित किए गए तथा सिलेक्ट कमेटियों	-	975
की रिपोर्ट		975
भाग 7—इलेक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया की अनुविहित तथा अन्य		
निर्वाचन सम्बन्धी विद्विप्तियाँ	-	975
भाग в—सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विद्यापन आदि	-	975
स्टोर्स पर्चेज-स्टोर्स पर्चेज विमाग का क्रोड-पत्र आदि	-	1425

भाग 1

विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस

संख्या 1211 / VIII / 70-प्रशिव / 2008

प्रेषक.

टी० आर० भट्ट, अपर सचिव, उत्तरांचल शासन।

सेवा में.

निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, हल्द्वानी।

श्रम एवं सेवायोजन अनुभाग

देहरादून : दिनांक 20 सितम्बर, 2006

विषय – गैंडास्त्राल विकास खण्ड यमकेश्वर, जनपद-पौड़ी में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए इसके संचालनार्थ अस्थायी पदों का सृजन।

महोदय

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि जनपद-पौड़ी के विकास खण्ड यमकेश्वर में गैंडाखाल नामक स्थान में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए, इसके लिए प्रसावित तीन व्यवसाय क्रमशः डाटा एन्ट्री आपरेटर, कटिंग एवं स्वीइंग एवं वैल्डर हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 15 अस्थाई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्गत होने की तिथि अथवा पद की मरे जाने की तिथि, जो मी बाद में हो, से दिगांक 28-02-2007 तक के लिए बशर्ते की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जायें, को सृजित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :--

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गैंडाखाल विकास खण्ड, यमकेश्वर, जनपद-पौड़ी हेतु

पदों का विवरण

क्रिक्स	पदों का नाम	स्वीकृत किये जाने वाले पदों की संख्या	वेतनमान
1.	कार्यदेशक श्रेणी—तीन	01	6500-10500
2.	व्यवसाय अनुदेशक	03	5000-8000
3,	अनुरेशक सामाजिक अध्ययन	04	5000-8000
4.	अनुदेशक कला / गणित	01	5000-8000
5.	सहायक भण्डारी	01	4000B000
6.	वरिष्ठ सहायक	01	40006000
7,	कनिष्ठ लिपिक	G1	30504590
7. 8. 9.	मण्डार/कार्यशाला परिचर	02	26103540
9.	अनुसेवक	01	2550-3200
10.	चौकीदार	02	2550-3200
11	स्वच्छकार	51	2550-3200
	योग:	15	

²⁻उक्त पद के घारकों को उक्त पद के वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य महंगाई एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।

क०सं०	व्यवसाय का नाम	यूनिट	प्रशिक्षण स्थान
1.	ढाटा एन्ट्री ऑपरेटर	01	20
2.	कटिंग एण्ड स्वीईंग	01	16
3.	वैल्डर	01	12

3-चक्त संस्थान के अनावर्तक व्यथों एवं अधिष्ठान के खर्चे हेतु निम्निलेखित विवरणानुसार रूपये 34,28,000/-(रुपये चौंतीस लाख अठ्ठाईस हजार मात्र) की घनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

बजट व्यवस्थाः

(धनराशि हजार रुपये में)

क्र०सं०	मद का नाम		आवश्यक घनराशि
1.	01-वेतन		01
2,	03—महंगाई भत्ता		91
3,	04-यात्रा भत्ता		01
4.	06-अन्य मत्ते		01
5.	08-कार्यालय व्यव		70
6.	09-विद्युत देय		01
7.	10-जलकर/जल प्रभार		01
B.	21—छात्रवृत्ति / छात्रवेतन		01
9.	26-मशीनें साज-सज्जा/सपकरण		3300
10.	42—अन्य व्यय		50
11.	48-महंगाई वैतन		01
		योग :	3428

4—उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि चक्त मद में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह मी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुरितका के नियमों या आदेशों का उल्लंधन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय—समय पर जारी शासनादेशों / अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय चन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।

5—व्यय करते समय स्टोर परचेज कल्स, डीजीएस एण्ड डी की दरों अधवा शर्तों, टेन्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उपकरणों आदि का क्रथ प्रत्येक ट्रेड के एन०सी०दी०टी० के मानक के अनुसार ही क्रय किया जायेगा।

6-रवीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31-03-2007 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

7—उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006—07 हेतु अनुदान संख्या—16 मुख्य लेखाशीर्षक 2230—श्रम तथा रोजगार, 03—प्रशिक्षण, आयोजनागत, 003—दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03—दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान आयोजनागत—00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा।

8-यह आदेश के अशासकीय संख्या यू०ओ०-567/दिस अनुमाग-6/2006, दिनांक 15 सितम्बर, 2006 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहयति से जारी किये जा रहे हैं।

संख्या 1291/VIII/34-प्रशि0/2006

प्रेषक.

टी० आरं० मद्द, अपर सचिव, उत्तरांचल शासन।

सेवा में.

निवेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, इल्ह्यांनी।

श्रम एवं सेवायोजन अनुसाग

देहरादून : दिनांक 20 सितम्बर, 2006

विषय-वित्तीय वर्ष 2006-07 में त्यूनी विकास खण्ड चकराता, जनपद-देहरादून में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद—देहरादून के विकास खण्ड चकराता के त्यूनी नामक स्थान में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए, इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय क्रमशः डाटा एन्ट्री ऑपरेटर, कटिंग एवं रवीईंग एवं वैल्डर हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 15 अस्थाई पद निग्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्गत होने की तिथि अथवा पद की मरे जाने की तिथि, जो मी बाद में हो, से दिनांक 28—02—2007 तक के लिए बशर्ते की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समापा न कर दिये जायें, को सुजित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :—

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, त्यूनी, जनपद-देहरादून हेतु पदों का विवरण

क्रं०सं०	पदों का नाम	स्वीकृत किये जाने वाले पदों की संख्या	वेतनमान
1	कार्यदेशक श्रेणी-तीन	01	6 500-10500
2	व्यवसाय अनुदेशक	03	5000-8000
3.	अनुदेशक सामाजिक अध्ययन	01	5000-8000
4.	अनुदेशक कलां/गणित	91	5000-8000
5,	सहायक मण्डारी	D1	400 <u>0—600</u> 0
G.	वरिष्ठ सहायक	01	4000-6000
7.	कनिष्ठ लिपिक	01	3050-4590
a.	भण्डार/कार्यशाला परिचर	0.2	2610-3540
Ð.	अनुसेवक 🕠	01	2550-3200
10.	चौकीदार	52	2550-3200
11.	स्वन्छकार	01	2550-3200
	यं	गि : 15	

^{2—}उक्त पद के घारकों को उक्त पद के वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य महंगाई एवं अन्य मत्ते आदि भी देश होंगे।

क0स0	व्यवसाय का नाम	यूनिट	प्रशिक्षण स्थान
1.	डाटा एन्ट्री ऑपरेटर	01	20
2,	विद्युतकार	01	16
3.	प्लम्बर	0.5	16

3—चक्त संस्थान के अनादर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्चे हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार रुपये 34,28,000/— (रुपये चौंतीस लाख अठ्डाईस हजार मात्र) की घनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

बजट व्यवस्थाः

(धनराशि हजार रुपये में)

क्रवसंव	मद का नाम	,	आवश्यक घनराशि
1.	01—चेतन	14	01
Z.	03-महंगाई मसा		01
3,	04—यात्रा मसा		01
4.	08-अन्य मत्ते		- 91
5,	08-कार्यालय व्यय		70
6.	09-विद्युत देय		01
7.	10-जलकर/जल प्रमार		01
8,	21-सात्रवृत्ति / सात्रवेतन		Ð1
9,	26-मशीनें साज-सज्जा/उपकरण		3300
10.	42-अन्य व्यय		50
11.	48-महंगाई देतन		01
	यौग	5	3428

4 - उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि उक्त मद में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से धजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या आदेशों का उल्लंधन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय—सभय पर जारी शासनादेशों / अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिए, यह स्वीकृत किया जा रहा है।

5-व्यय करते समय स्टोर परचेज रूल्स, डीजीएस एण्ड डी की दरों अथवा शर्तों, टेन्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। चपकरणों आदि का क्रथ प्रत्येक ट्रेड के एन०सी०वी०टी० के मानक के अनुसार ही क्रय किया जायेगा।

6—स्वीकृत की जा रही घनसशि का दिनांक 31-03-2007 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

7—उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006—07 हेतु अनुदान संख्या—16 मुख्य लेखाशीर्धक 2230—श्रम तथा रोजगार, 03—प्रशिक्षण, आयोजनागत, 003—दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03—दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान आयोजनागत—00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा।

8-यह आदेश के अशासकीय संख्या यू०ओ०-569/वित्त अनुभाग-5/2006, दिनांक 15 सितम्बर, 2006 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संख्या 1292 / VIII / 65-प्रशि / 2006

प्रेषक.

टी० आर० मट्ट, अपर सचिव, उत्तरांचल शासन।

सेवा में.

निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, हल्द्वानी।

श्रम एवं सेवायोजन अनुभाग

देहरादून : दिनांक 20 सितम्बर, 2006

विषय—नारसन, जनपद—हरिद्वार में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए इसके संवालनार्थ अस्थायी पदों का सृजन।

महोदय.

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि जनपद—हरिद्वार के नाररान नामक स्थान में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए, इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय क्रमशः फिटर, इन्सटू मैंट मैकेनिक एवं जनरल हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 15 अस्थाई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्मत होने की तिथि अथवा पद की मरे जाने की तिथि, जो भी बाद में हो, से विनांक 28-02-2007 तक के लिए बशर्त की थे पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जाये, को सृजित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :--

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नारसन, जनपद-हरिद्वार हेतु पदौं का विवरण

ठ०सं०	पदीं का नाम	स्वीकृत किये जाने वाले पदों की संख्या	वेतनमान
1.	कार्यदेशक श्रेणी-तीन	01	6500-10500
2.	व्यवसाय अनुदेशक	03	5000-8000
3.	अनुदेशक सामाजिक अध्ययन	01	5000-8000
4.	अनुदेशक कला/गणित	01	5000-B000
5.	सहायक मण्डारी	01	4000-6000
6.	प्रवर सहायक	01	4000-6000
7.	कनिष्ठ सहायक	01	3050-4590
8.	मण्डार/कार्यशाला परिचरः	0.2	2610-3540
9.	अनुसेदक	91	2550-3200
10.	चौकीदार	02	2550-3200
11.	स्वच्छकार	01	25503200

^{2—}उक्त पद के धारकों को उक्त पद के वेतन के साथ—साथ शासन द्वारा समय—समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य महंगाई एवं अन्य भत्ते आदि भी देव होंगे।

क्र0सं0	व्यवसाय का नाम	यूनिट	प्रशिक्षण स्थान
1.	फिटर	01	16
2.	इन्सटू मेंट भैकेनिक	01	16
3.	पैन्टर जनरल	01	16

3-- उक्त संस्थान के अनावर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्चे हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार रुपये 38,28,000 / - (रुपये अड़तीस लाख अठ्ठाईस हजार मात्र) की घनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

बजट व्यवस्थाः

(धनराशि हजार रुपये भें)

क्र0सं0	मद का नाम	आवश्यक धनराशि
1.	D1—वेतन	01
2	03 महंगाई मत्ता	01
3.	04यात्रा भत्ता	01
4,	08—अन्य मत्ते	01
S.	08-कार्यालय व्यय	70
6.	09-विद्युत देय	01
7.	10-जलकर/जल प्रभार	01
8.	21 छात्रवृत्ति / छात्रवेतन	01
9.	26—मशीनें साज-सजजा / उपकरण	3700
10	42—अन्य व्यय	50
11.	48महंगाई चैतन	01
	योग :	3828

4—उन्हों घनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि उक्त मद में आवंदित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंदन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट भैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहों व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय—समय पर जारी शासनादेशों / अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हों मदों में किया जायेगा जिसके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।

5-व्यय करते समय स्टोर परचेज कल्स, डीजीएस एण्ड डी की दरों अथवा शर्ती, टेन्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उपकरणों आदि का क्रय प्रत्येक ट्रेड के एन०सी०वी०टी० के मानक के अनुसार ही क्रय किया जायेगा।

6-स्वीकृत की जा रही घनराशि का दिनांक 31-03-2007 तक पूर्ण चपयोग कर लिया जायेगा।

7—उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006—07 हेतु अनुदान संख्या—16 मुख्य लेखाशीर्षक 2230—श्रम तथा रोजगार. 03—प्रशिक्षण, आयोजनागत, 003—दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03—दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान आयोजनागत—00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक मदों के नामे ढाला जायेगा।

8--यह आदेश के अशासकीय संख्या यू०ओ०-565/वित्त अनुमाग-5/2006, दिनांक 15 सितम्बर, 2006 के अन्तर्गत प्राप्त सनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संख्या 1293 / VIII / 84-प्रशिठ / 2006

प्रेयक.

टी० आर० मद्द, अपर सचिव, उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक. प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, हल्द्वानी।

श्रम एवं सेवायोजन अनुभाग

देहरादून : दिनांक 20 सितम्बर, 2006

विषय-लक्सर, जनपद-हरिद्वार में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए इसके संचालनार्थ अस्थायी पदों का सृजन किये जाने विषयक।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद-हरिद्वार के लक्सर नामक रथान में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए, इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय क्रमशः फिटर. मिलराईट मैकंनिक एवं प्लास्टिक प्रोसेसिंग आपरेटर हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 15 अस्थाई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्गत होने की तिथि अथवा पद की भरे जाने की तिथि, जो भी बाद में हो, से दिणांक 28-02-2007 तक के लिए बशरों की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जायें, को सृजित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :--

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, लक्सर, जनपद-हरिद्वार हेतु पदों का विवरण

क्र0सं0	पदों का नाम	रवीकृत किये जाने वाले पदीं की संख्या	वेतनमान
1.	कार्यदेशक श्रेणी—तीन	01	6500-10500
2.	व्यवसाय अनुदेशक	03	5000-8000
3.	अनुदेशक सामाजिक अध्ययन	01	5000-8000
4.	अनुदेशक कला / गणित	01	5000-8000
5.	सहायक भण्डारी	01	4000-6000
6,	प्रवर सहायक	D1	4000-6000
7.	कनिष्ठ सहायक	01	3050-4590
8.	मण्डार/कार्यशाला परिचर	02	2610-3540
9.	अनुसेवक '	0 t	2550-3200
10.	चौकीदार	02	2550-3200
11.	स्वच्छकार	òf	2550-3200
		योग: 15	

²⁻उक्त पद के घारकों को उक्त पद के वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य महंगाई एवं अन्य मत्ते आदि भी देश होंगे।

0¥0æ	व्यवसाय का नाम	यूनिट	प्रशिक्षण स्थान
1.	फिटर	07	16
2.	मिलराईट मैकेनिक	01	16
3.	प्लास्टिक प्रोसेसिंग आपरेटर	01	16

3—उक्त संस्थान के अनावर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्चें हेतु निम्निलिखत विवरणानुसार रुपये 51,28,000 / — (रुपये इक्थावन लाख अठ्ठाईस हजार मात्र) की घनराशि को व्यव किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:--

बजट व्यवस्थाः

(धनराशि हजार रुपये में)

क्रoरांo	मद का नाम		आवश्यक धनराशि
1.	01वेतन		G1
2.	03-महरगाई भत्ता		Q1
3.	04-यात्रा भत्ता		01
4.	os अन्य मत्ते		01
5.	08-कार्यालय व्यय		70
6.	09—विद्युत देथ		Oτ
7.	10-जलकर/जल प्रभाइ		01
8.	21—छात्रवृत्ति / छात्रवेतन		01
9.	26-मशीनें साज-सज्जा/उपकरण		5000
10.	42—अन्य व्यय	+	50
11,	48-महंगाई वेतन		01
		योग:	5128

4—उक्त घनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शतों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि उक्त भद में आवंदित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंदन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय इस्तपुस्तिका के नियमों या आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय—समय पर जारी शासनादेशों / अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय सन्हीं मर्दों में किया जायेगा जिसके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।

5—व्यय करते समय स्टोर परचेज कल्स, डीजीएस एण्ड डी की दरों अथवा शर्तों, टेन्डर/कोटेशन आदि के विध्यक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उपकरणों आदि का क्रय प्रत्येक ट्रेड के एन०सी०वी०टी० के मानक के अनुसार ही क्रय किया जायेगा।

6-स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31-03-2007 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

7—उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006—07 हेतु अनुदान संख्या—16 मुख्य लेखाशीर्षक 2230—श्रम तथा रोजगार, 03—प्रशिक्षण, आयोजनागत, 003—दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03—दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान आयोजनागत—00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक भदों के नामे डाला जायेगा।

8-यह आदेश के अशासकीय संख्या यू०ओ०-566/वित्त अनुमाग-5/2006, दिनांक 15 सितम्बर, 2006 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संख्या 1294/VIII/06-519-प्रशिठ/2002

प्रेषक.

टी० आर० मट्ट, अपर सचिव, उत्तरांचल शासन।

सेवा में..

निर्देशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, इल्हानी।

अम एवं सेदायोजन अनुमाग

देहरादून : दिनांक 20 सितम्बर, 2006

विषय-नारायणबगढ़ जनपद-चमोली में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए अस्थायी पदों का सृजन।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि जनपद—धर्माली के नारायणबगढ़ नामक स्थान में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए, इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय क्रमशः फिटर, मैंकेंठ इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दूरिज्य गाइड हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 15 अस्थाई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्मत होने की तिथि अथवा पद की मरे जाने की तिथि, जो मी बाद में हो, से दिनाक 28-02-2007 तक के लिए बशर्त की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जायें, को मृजित किये जाने की श्री राज्यपाल सहबं स्वीकृति प्रदान करते हैं :--

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नारायणबगढ़, जनपद—चमोली हेतु पदों का विवरण

क्र0सं0	पदों का नाम	स्वीकृत किये जाने वाले पदों की संख्या	वेतनमान
1,	कार्यदेशक श्रेणी-तीन	01	6500—10500
2.	व्यवसाय अनुदेशक	03	5000-8000
3.	अनुदेशक सामाजिक अध्ययन	01	5000-8000
4:	अनुदेशक कला/गणित	01	5000-8000
5.	सहायक मण्डारी	0-1	4000-6000
6.	प्रवर सहायक	C1	4000-6000
7.	कनिष्ठ सहायक	0:1	3050-4590
8,	मण्डार/कार्यशाला मरिवर	02	2610-3540
9.	अनुसेवक	01	2550-3200
10,	चौकीदार	02	2550-3200
11:	स्वच्छकार ,	01	2550-3200
	योग :	15	

2—सक्त पद के धारकों को सक्त पद के वैतन के साध—साध शासन द्वारा समय—समय पर प्रख्यापित आर्दशों के अनुसार अनुमन्य महंगाई एवं अन्य मत्ते आदि भी देय होंगे।

प्रारम्भ किये जा रहे व्यवसायों का विवरण :

क्र0सं0	व्यवसाय का नाम	यूनिट	प्रशिक्षण स्थान
1.	फिटर	01	16
2.	मैके० इलेक्ट्रॉनिक्स	01	16
3.	दूरिज्य गाइड	D1	16

3—उक्त संस्थान के अनावर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्चे हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार रूपये 38.28,000/— (रुपये अडतीस लाख अठ्ठाईस हजार मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :--

बजट व्यवस्था :

(धनराशि हजार रुपये में)

		(, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,
क्रण्संव	मद का नाम	आवश्यक धनराशि
1.	01—चेत्रन	. 01
2.	03महंगाई मत्ता	01
3.	04-यात्रा मत्ता	01
4.	08अन्य भत्ते	01
Б.	08-कार्यालय व्यय	70
6.	09-विद्युत वेय	01
7.	10-जलकर/जल प्रमार	D1
8.	21-छात्रवृत्ति / छात्रधेतन	D1
9.	26-मशीने साज-सज्जा/उपकरण	3700
10.	42-अन्य व्यय	50
11,	48-महंगाई चेतन	01
	योग :	3628

4—उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शतों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि उक्त मद में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या दित्तीय हस्तपुरितका के नियमों या आदेशों का उल्लंधन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, भितव्ययता के सम्बन्ध में समय—समय पर जारी शासनादेशों / अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।

5—व्यय करते समय स्टोर परचेज रूल्स, डीजीएस एष्ड डी की दरों अधवा शर्तों, टेन्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उपकरणों आदि का क्रय प्रत्येक ट्रेड के एन०सी०वी०टी० के मानक के अनुसार ही क्रय किया जायेगा।

6-स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31-03-2007 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

7—सक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006—07 हेतु अनुदान संख्या—16 मुख्य लेखाशीर्षक 2230—श्रम तथा रोजगार, 03—प्रशिक्षण, आयोजनागत, 003—दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03—दस्तकार प्रशिक्षण योजगा एवं अधिष्ठान आयोजनागत—00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक मदौं के नामे हाला जायेगा।

8—यह आदेश के अशासकीय संख्या यू०ओ०—574/वित्त अनुमाग—5/2006, दिनांक 20 सितम्बर, 2006 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

> आज्ञा से, टीo आरo मट्ट, अपर सचिव।

पी०एस0यू० (आर०ई०) ४३ हिन्दी गजट / ४७५-भाग १-२००६ (कम्प्यूटर /रीजियो)।

मुद्रक एवम् प्रकाशक-उप निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, उत्तरांचल, रुड़की।



सरकारी गजंट, उत्तरांचल

उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 28 अक्टूबर, 2006 ई0 (कार्तिक 06, 1928 शक सम्वत्)

भाग 1-क

नियम, कार्य-विधियां, आज्ञाएं, विज्ञाप्तियां इत्यादि जिनको उत्तरांचल के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया

उत्तरांचल उच्च न्यायालय, नैनीताल

विज्ञप्ति

27 सितम्बर, 2006 ई0

संख्या 139/XIV/24/प्रशा0 अनु0-अ/2003-श्री आर0 आर0 अग्रवाल, सदस्य सचिव, उत्तराचल राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, देहरादून को दिनांक 04-08-2006 से 16-09-2006 तक 44 दिन का अर्जित अवकाश, अवकाश के पश्यात् दिनांक 17-09-2006 रविवार के अदकाश को सम्मिलित करते हुए स्वीकृत किया गया।

29 सितम्बर, 2006 ई0

संख्या 140/06/XIV/36/प्रशा0 अनु0—अ/2005—श्री आर0 डी0 पालीवाल, अपर जिला एवं रात्र न्यायाः शिश/ द्वितीय त्वरित न्यायालय, हरिद्वार को दिनांक 06-09-2006 से 19-09-2006 तक 14 दिन का अर्जित अवकाश रवीकृत किया गया।

10 सक्दूबर, 2006 ई0

संख्या 141/XIV/13/प्रशां0 अनु0—अ/2003—श्री सत्य नारायण सिंह, विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेंट, पिधौरागढ़ को दिनांक 11-09-2006 से 30-09-2006 तक 20 दिन का अर्जित अवकाश, अवकाश पूर्व दिनांक 09-09-2006 एवं 10-09-2006 क्रमशः द्वितीय शनिवार व रविवार के अवकाशों को प्रिफित्स और अवकाश के पश्चात् दिनांक 01-10-2006 एवं 02-10-2006 क्रमशः, रविवार व गांधी जयन्ती के अवकाशों को सिफिक्स करने की अनुमति सहित स्वीकृत किया गया।

न्यायालय की आज्ञा से.

रवीन्द्र मैठाणी, अपर निबन्धक।

पीर्ण्स्वयू० (आरवर्ष्) ४३ हिन्दी गजट / ४७५-माग १-क-२००६ (कम्प्यूटर / रीजियो)। मुद्रक एवम् प्रकाशक-उप निर्देशक, राजकीय मुद्रणालय, उत्तरांचल, रुड़की।